

प्रेस नोट

कुलपति जी ने नाभिकीय बीजों की कटाई का किया शुभारम्भ :

आज दिनांक 20.04.2020 को पन्तनगर विश्वविद्यालय के प्रजनक बीज उत्पादन केन्द्र पर माननीय कुलपति डा० तेज प्रताप द्वारा केन्द्र पर गेहूँ के नाभिकीय बीज की कम्बाईन द्वारा कटाई का शुभारम्भ के साथ कोविड-19 के लिये सोसल डिस्टेंसिंग का निरीक्षण भी किया गया। शुभारम्भ के उपरान्त माननीय कुलपति जी ने कम्बाईन द्वारा कटाई के साथ पन्तनगर विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित की जाने वाली गेहूँ की नाभिकीय बीज उत्पादन प्रक्षेत्र का भ्रमण किया गया। संयुक्त निदेशक डा० पी०एस० शुक्ल ने निदेशक शोध डा० ए०एस० नैन की उपस्थिति में अवगत कराया कि बीज उत्पादन केन्द्र पर 40 गेहूँ, 06 चने, 05 मटर एवं 05 मसूर की प्रजातियों के साथ 08 गन्ने, 07 सरसों/लाही व 01 बरसीम की प्रजातियों का प्रजनक बीज उत्पादन रबी मौसम में किया जा रहा है। रबी मौसम में इन प्रजातियों के लगभग 5500 कुन्तल का प्रजनक बीज उत्पादित होने की सम्भावना है। यह प्रजनक बीज भारत सरकार व राज्य सरकार के माँग के अनुसार उपलब्ध कराया जाता है। इसके साथ ही बीज उत्पादन केन्द्र के एल ब्लॉक में लगे गेहूँ की प्रजातियों यू.पी. 2784, 2785, 2844, 2855 एवं 2865 के साथ-साथ एच.डी. 2967, डब्लू.एच. 1105, चने की पी.जी. 4, मसूर की पी.एल. 9 आदि प्रजातियों के प्रक्षेत्रों का भी निरीक्षण किया गया। माननीय कुलपति जी ने केन्द्र पर उपलब्ध आर्टीजन वैल का निरीक्षण करते हुये कहा गया कि प्रकृति का यह एक अनुपम भेट सिंचाई के लिये आज भी केन्द्र का सहयोग कर रहा है। कुलपति जी ने चर्चा में कहा कि हमें 90 दिन में पकने वाली गेहूँ व 60 दिन में पकने वाले दलहन की प्रजातियों पर और काम किये जाने की आवश्यकता है, इसके लिए माननीय शोध निदेशक ने केन्द्र पर चल रहे लोबिया परियोजना के माध्यम से विकसित 60 दिन की लोबिया फसल की प्रजातियों पन्त लोबिया 1, 2 एवं 3 का भ्रमण कराया। कम समय में होने वाली लोबिया की प्रजाति का निरीक्षण करते हुये कुलपति जी ने कहा की यह प्रजातियाँ किसानों के लिये गेहूँ एवं धान की बीच खाली समय में एक अतिरिक्त फसल उगाने में अच्छा योगदान देंगे। इस दौरान सोसल डिस्टेंसिंग एवं राज्यकीय शासनादेशों का पूर्ण रुप से पालन किया गया एवं केन्द्र पर चल रहे अन्य कृषि कार्यों में इसका पूर्ण रुप से पालन किया जाता है।

माननीय कुलपति जी द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि कोरोना संक्रमण को देखते हुये सारी सावधानियाँ रखी जायें। प्रक्षेत्र भ्रमण के दौरान डा० अजय कुमार, सहायक निदेशक, डा० ओ०पी० ओझा, श्री टी०बी० राम एवं श्री रमेश पाल आदि उपस्थित रहें।

